CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

+91 7428706078
info@cedsi.in

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

GADVASU ने राष्ट्रीय दूध दिवस पर डेयरी में एआई पर जोर दिया

गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (GADVASU) ने भारतीय डेयरी संघ (IDA) पंजाब चैप्टर के सहयोग से राष्ट्रीय दूध दिवस धूमधाम से मनाया, जिसमें डॉ. वर्गीज कुरियन, जिन्हें 'सफेद क्रांति के पिता' के रूप में जाना जाता है, को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सूचना प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के डेयरी क्षेत्र में परिवर्तनकारी प्रभाव पर एक सेमिनार आयोजित किया गया।

विशेषज्ञों ने पंजाब की अद्वितीय यात्रा पर प्रकाश डाला, जो पहले दूध की कमी वाले राज्य से आज देश के अग्रणी डेयरी उत्पादक राज्य के रूप में उभरा है, और इसके भारत की राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान पर जोर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और विश्वविद्यालय के उपकुलपति डॉ. जेपीएस गिल ने पशुपालन क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया, जो पंजाब की कृषि जीडीपी का 39% है।

हालांकि पंजाब में देश की कुल बकरी जनसंख्या का केवल 2.16% है, लेकिन यह देश के कुल दूध उत्पादन का 6.40% (13.40 मिलियन टन) प्रदान करता है, जिससे यह देश के डेयरी उद्योग में एक प्रमुख योगदानकर्ता और नवाचारों के लिए एक आदर्श राज्य बन गया है।

बायो-रिवोल्यूशन से रोगमुक्त डेयरी और सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा

डॉ. राजेश गोखले, सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, ने बेंगलुरु टेक समिट में घोषणा की कि भारत की नई जैव प्रौद्योगिकी और बायोमैन्युफैक्चरिंग नीति डेयरी उद्योग की उन चुनौतियों को संबोधित करने का लक्ष्य रखती है, जो रोगमुक्त उत्पादन प्रणालियों की प्राप्ति में उत्पन्न होती हैं। उन्होंने प्रिसीजन फर्मेंटेशन और आनुवंशिक उन्नतियों जैसे नवाचारों को रेखांकित करते हुए कहा कि इनका संभावित प्रभाव दूध उत्पादन बढ़ाने, जूणोटिक जोखिमों को कम करने और डेयरी खेती में स्थिरता बढ़ाने में हो सकता है।

डॉ. गोखले ने बताया कि जैव प्रौद्योगिकी-निर्देशित समाधान जैसे आनुवंशिक परीक्षण और उन्नत रोग रोकथाम तकनीकें किसानों को स्वस्थ झुंड बनाए रखने और उच्च गुणवत्ता तथा स्थिर दूध उत्पादन सुनिश्चित करने में सक्षम बना रही हैं। उन्होंने इन तकनीकों की भूमिका को रेखांकित किया, जो पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने और उत्पादन को अनुकूलित करने में मदद करती हैं, ताकि भारत का डेयरी क्षेत्र बढ़ती मांगों को पूरा कर सके, बिना गुणवत्ता या स्थिरता से समझौता किए।

उन्होंने आगे भारत के दोहरे संक्रमण—डिजिटल और हरे प्रौद्योगिकियों—के महत्व को रेखांकित किया, जो सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में सहायक होंगे। जैव प्रौद्योगिकी द्वारा पर्यावरणीय चुनौतियों को संबोधित करने और नए रोजगार के अवसर पैदा करने से यह क्षेत्र "बायो-रिवोल्यूशन" को प्रेरित करेगा।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड ने 71वें सहकारी सप्ताह उत्सव का समापन किया

इस अभियान ने प्रतिभागियों को सहकारी प्रबंधन, डेयरी उत्पादन और सतत प्रथाओं पर जानकारी प्रदान की, जिसमें मधुमक्खी पालन और फलों और सब्जियों के मूल्य संवर्धन जैसे आय सृजन गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया। एक प्रमुख आकर्षण आनंद जिले के मुझकुवा गांव का दौरा था, जो चार नवाचारी सहकारिताओं का घर है, जिनमें एक महिला नेतृत्व वाली खाद सहकारी, एक सौर पंप सिंचाई समूह और एक जैविक कृषि सोसाइटी शामिल हैं।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी), जो आनंद में स्थित है, ने 14 से 20 नवम्बर तक आयोजित 71वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह उत्सव का समापन किया। यह कार्यक्रम अमूल डेयरी, बड़ौदा डेयरी और अन्य प्रमुख सहकारिताओं के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस आयोजन का विषय था "विकसित भारत बनाने में सहकारिताओं की भूमिका" और यह एनडीडीबी के डायमंड जुबली पहल के तहत "व्हील्स ऑफ कोऑपरेशन" अभियान का हिस्सा था।

एनडीडीबी ने सहकारिता के माध्यम से सहयोग बढ़ाने और डेयरी, नवीकरणीय ऊर्जा और जैविक कृषि में सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने पर जोर दिया, जिससे यह साबित होता है कि सहकारी संगठन ग्रामीण विकास को स्थायी रूप से आगे बढ़ाने में कितना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

नंदिनी का लक्ष्य उत्तर भारत: कर्नाटका डेयरी ब्रांड अमूल और मदर डेयरी को चुनौती देगा

कर्नाटका का प्रतिष्ठित डेयरी ब्रांड, नंदिनी, अब उत्तर भारतीय बाजार में प्रवेश करने के लिए तैयार है, जहां यह पहले से स्थापित दिग्गजों जैसे अमूल और मदर डेयरी को चुनौती देगा। कर्नाटका के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया गुरुवार को दिल्ली में नंदिनी का आधिकारिक रूप से शुभारंभ करेंगे, जिसमें प्रारंभ में राजधानी में दूध और दही उपलब्ध कराया जाएगा, और इसके बाद गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम और अन्य शहरों में विस्तार की योजना है, जो हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में स्थित हैं।

दिल्ली का डेयरी बाजार, जिसका वार्षिक मूल्य ₹72,630 करोड़ है और जो 2032 तक ₹1.87 ट्रिलियन तक बढ़ने का अनुमान है, एक लाभकारी अवसर प्रस्तुत करता है। कर्नाटका मिल्क फेडरेशन (KMF) के प्रबंध निदेशक, एम.के. जगदीश ने नंदिनी की श्रेष्ठ गुणवत्ता पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि सहकारी संस्था प्रतिदिन 92 लाख लीटर दूध की खरीद करती है, जिससे नए बाजारों के लिए 30 लाख लीटर का अधिशेष रहता है। इस कदम से KMF के टर्नओवर को FY24 में ₹23,000 करोड़ से बढ़ाकर 2029 तक ₹45,000 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है।

अमूल, जिसने FY24 में ₹80,000 करोड़ का टर्नओवर हासिल किया, और मदर डेयरी, जिसकी ₹15,000 करोड़ की आय दिल्ली-एनसीआर की बिक्री से हुई है, जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के बावजूद, नंदिनी अपनी गुणवत्ता और अधिशेष उत्पादन के साथ उत्तर भारत में एक महत्वपूर्ण बाजार हिस्सेदारी प्राप्त करने की स्थिति में है।

एनडीडीबी का 'व्हील्स ऑफ को-ऑपरेशन' अभियान सहकारी भावना और सतत विकास का उत्सव

गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (अमूल) ने ओडिशा के डेयरी क्षेत्र में ₹250 करोड़ निवेश करने की योजना की घोषणा की है, जो राज्य के 30 लाख लीटर प्रतिदिन के दूध आपूर्ति अंतर को हल करेगा। अमूल के प्रबंध निदेशक, आर.एस. सोढ़ी ने यह जानकारी न्यू दिल्ली में वर्ल्ड फूड इंडिया 2017 के सेमिनार के दौरान दी। ओडिशा, जो वर्तमान में भारत में अमूल का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है, इस निवेश से बड़े लाभ की उम्मीद करता है।

एनडीडीबी के चेयरमैन, डॉ. मीनेश शाह ने डेयरी, खाद प्रबंधन, जैविक खेती, और सौर सिंचाई में योगदान देने वाले किसानों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये पहलें, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "सहकार से समृद्धि" के दृष्टिकोण के अनुरूप, पोषण सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण हैं।

इस अभियान में विभिन्न सहकारी संगठनों के नेताओं को एकत्र किया गया, जिनमें डेयरी, सौर सिंचाई और जैविक खेती जैसी विविध सहकारी प्रणालियां शामिल हैं। पांच दिनों के दौरान, प्रतिभागियों ने अमूल डेयरी, सूरत मिल्क यूनियन और साह्याद्री फार्म्स जैसे प्रमुख सहकारी संगठनों का दौरा किया और डेयरी उत्पादन, सतत खेती और आय सृजन प्रथाओं जैसे मधुमक्खी पालन और फल-सब्जी प्रसंस्करण पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इस अभियान का उद्देश्य सहयोग को बढ़ावा देना, सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रोत्साहित करना और ज्ञान साझा करके सहकारी मॉडल को मजबूत करना था, ताकि सतत विकास लक्ष्य (SDGs) प्राप्त किए जा सकें।

हिमाचल प्रदेश ने रामपुर में दूध संयंत्र को अपग्रेड किया, किसानों का समर्थन करने के लिए दूध की कीमतों में वृद्धि की

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को रामपुर के दत्तनगर में ₹25.67 करोड़ की लागत से अपग्रेड किए गए दूध प्रसंस्करण संयंत्र का उद्घाटन किया। यह उन्नत संयंत्र स्थानीय डेयरी क्षमता को बढ़ाने, दूध संग्रहण में पारदर्शिता सुधारने और शिमला, कुल्लू, मंडी और किन्नौर जिलों के 20,000 किसानों को आर्थिक लाभ देने का उद्देश्य रखता है।

किसानों की मदद के लिए मुख्यमंत्री सुक्खू ने दूध की कीमत में ₹13-15 प्रति लीटर की वृद्धि की घोषणा की, ताकि ग्रामीण आजीविका को मजबूती मिले और कृषक परिवारों का जीवन स्तर सुधरे। उन्होंने मार्च 31, 2025 तक एक डिजिटल प्रणाली शुरू करने की योजना भी साझा की, जिसके तहत किसान दूध खरीद की गुणवत्ता, मूल्य और भुगतान के बारे में वास्तविक समय में जानकारी प्राप्त करेंगे, और भुगतान सीधे बैंक ट्रांसफर के माध्यम से किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की आय में सुधार उनकी सरकार की "व्यवस्था परिवर्तन" पहल का एक प्रमुख उद्देश्य है।

संयंत्र की दैनिक दूध उत्पादन क्षमता में 50,000 लीटर का इज़ाफा हुआ है, जो अब 70,000 लीटर तक पहुंच गई है। अब यह संयंत्र विभिन्न दूध उत्पादों का उत्पादन करेगा, जिनमें फ्लेवर्ड मिल्क, खोया, घी, मक्खन, पनीर, लस्सी और दही शामिल हैं। 271 दूध सहकारी समितियों के 20,000 किसान इस पहल से लाभान्वित होंगे।

दिल्ली आधारित डेयरी स्टार्टअप डूधवाले फार्म्स ने सीरीज़ ए फंडिंग में 3 मिलियन डॉलर जुटाए

दिल्ली आधारित डेयरी और दैनिक आवश्यकताओं की स्टार्टअप कंपनी, डूधवाले फार्म्स ने अपनी सीरीज़ ए फंडिंग राउंड में 3 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। इस राउंड का नेतृत्व एटॉमिक कैपिटल ने किया, जिसमें सिंगुलैरिटी अर्ली ग्रोथ ऑपर्च्युनिटीज फंड, भारत फाउंडर्स फंड, इंडीग्राम लैब फाउंडेशन और प्रमुख एंजेल निवेशकों, जिनमें रामकांत शर्मा (को-फाउंडर, लिवस्पेस), अंकित तंदन (सीबीओ, ओयो) और सौरभ जैन (सीईओ, लिवस्पेस) शामिल हैं, ने भाग लिया।

2019 में सुधीर जैन, अमन जैन, इशु जैन और संजय जैन द्वारा स्थापित डूधवाले फार्म्स एक वर्टिकली इंटीग्रेटेड सप्लाई चेन पर काम करता है, जो अपनी डेयरी उत्पादन प्रक्रिया पर पूरा नियंत्रण सुनिश्चित करता है। यह स्टार्टअप अपने स्वयं के पशुपालन फार्मों से सीधे दूध प्राप्त करता है, जिससे मध्यस्थों को खत्म कर ताजे, ट्रेसेबल और एंटीबायोटिक-फ्री उत्पाद सुनिश्चित होते हैं। यह स्टार्टअप 100 से अधिक एसकेयू पेश करता है, जिसमें पनीर और खोया जैसे डेयरी उत्पादों के साथ-साथ मथुरा खोया पेड़ा और पंजाबी डोड़ा बर्फी जैसे क्षेत्रीय पकवान भी शामिल हैं।

यह फंड डूधवाले फार्म्स की पहुंच बढ़ाने, वितरण नेटवर्क को मजबूत करने, अपने उत्पाद रेंज में विविधता लाने और प्रौद्योगिकी अवसंरचना को अपग्रेड करने के लिए उपयोग किया जाएगा। स्टार्टअप ने तीन लगातार वर्षों तक EBITDA सकारात्मक रहने के बाद भारत के डेयरी क्षेत्र में क्रांति लाने का लक्ष्य तय किया है।

निवेशकों ने कंपनी के प्रीमियम उत्पादों और पूंजी के कुशल उपयोग में विश्वास व्यक्त किया, जो डूधवाले फार्म्स के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, इसके मिशन को भारतीय घरों में उच्च गुणवत्ता वाले ताजे डेयरी उत्पाद पहुंचाने के लिए।

हम कौन हैं?

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर एग्रीकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएएसआई)" के तहत काम कर रहा है, यह एक स्वायत्त संगठन है जो "**एग्रीकल्चर स्किल कौंसिल ऑफ़ इंडिया (ASCI)**" के तत्वावधान में काम कर रहा है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के संगठित और असंगठित क्षेत्रों में लगे किसानों, वेतनभोगी श्रमिकों, स्व-रोज़गार पेशेवरों, विस्तार श्रमिकों आदि के कौशल और क्षमता निर्माण के लिए **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई**) के तहत काम करना।

सीईएएसआई कृषि के विभिन्न उप-क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों का एक शीर्ष संगठन है।

- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर हॉर्टिकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएचएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर फार्म मेकेनिज़शन स्किल्स इन इंडिया (सीईएफएमआई)

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

+91 7428706078

info@cedsi.in

www.cedsi.in Follow us on Facebook Cedsi Dairyskills Follow us on Twitter @CEDSI_India Follow us on Instagram @cedsi_india Follow us on linkedin Cedsi dairy COE

Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Join Our Membership Drive and Get Benefits of

- Platform to interact with other members in the sector
- Networking opportunities with corporate leaders and government authorities
- Special costs of training in Skill India Certified Programmes
- Access to our Journal and Publications
- Expert advice in day-to-day operations and management of livestock /farm productions
- Free registration on the job portal and regular updates on job vacancies in the sector
- Recognize your organization with CEDSI Yearly Awards and Recognition
- Chance to reach across the board through advertising in our press releases, news and articles
- Consultative and advisory services to help members
- Consulting and advisory services to help members
- Periodic e-newsletter for the latest news, govt. announcement and schemes in dairy sectors
- Updates on training programs of CEDSI and access to the training calendar

Who Can Become a Member -

Corporates/ Cooperatives

NGO's/CSR Foundations

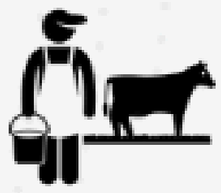

Dairy Farmers

Students

Professional

www.cedsi.in

17th July 2024

@cedsi_india

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया